प्रेस विज्ञप्ति

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद में जीएसटी 2.0 सुधारों पर राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

कर सुधार, अनुपालन और 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' पर देशभर के विशेषज्ञों ने रखे विचार

धनबाद, 17 जुलाई 2026। झारखंड राज्य उच्च शिक्षा परिषद (JSHEC) के प्रायोजन में गुरु नानक कॉलेज, धनबाद (भूदा परिसर) के एस.जे.एस. ग्रेवाल सभागार में "GST 2.0 Reforms, Compliance and Ease of Doing Business" विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में शिक्षाविदों, चार्टर्ड एवं कॉस्ट अकाउंटेंट्स, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जीएसटी 2.0 के प्रस्तावित सुधारों, कर अनुपालन, पंजीकरण प्रक्रिया के सरलीकरण, कराधान के आर्थिक प्रभाव तथा व्यापार सुगमता से जुड़े समकालीन विषयों पर व्यापक विमर्श करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, पुष्प स्वागत एवं शबद गायन से हुआ। इसके उपरांत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रंजना दास ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति और बदलते आर्थिक परिवेश में जीएसटी केवल एक कर व्यवस्था नहीं, बल्कि पारदर्शी एवं उत्तरदायी आर्थिक प्रशासन का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ उद्योग एवं अकादमिक जगत के बीच सार्थक संवाद स्थापित करती हैं।

सरदार आर. एस. चहल सर ने माननीय विधायक मथुरा प्रसाद , बि. बि. म. को. विवि. धनबाद के कुलपति प्रो. (डॉ.) रामकुमार सिंह तथा वी. एस. सुंदरम जी को फुलकारी शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात मंचासीन गणमान्य विद्वतजन ने स्मारिका का विमोचन किया।

मुख्य अतिथि श्री मथुरा प्रसाद महतो ने अपने संबोधन में कहा कि जीएसटी ने देश में कर प्रणाली को एकीकृत किया है तथा अब जीएसटी 2.0 के माध्यम से अनुपालन को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं व्यवसाय-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने डिजिटल कर प्रशासन को समय की आवश्यकता बताया। इस क्षेत्र में गुरु नानक महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना भी की।

विशिष्ट अतिथि श्री राज सिन्हा ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि कर व्यवस्था में सरलता और पारदर्शिता निवेश को प्रोत्साहित करती है तथा उद्यमिता को नई गति प्रदान करती है। उन्होंने झारखंड के विशेष परिदृश्य में कृषि, पर्यटन, इस्पात आदि क्षेत्रों में अनंत संभावनाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही युवाओं से कर कानूनों की अद्यतन जानकारी रखने का आह्वान किया।

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) राम कुमार सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को वर्तमान आर्थिक एवं विधिक परिवर्तनों के प्रति जागरूक बनाना भी है। उन्होंने जीएसटी जैसे समकालीन विषयों पर उद्योग-अकादमिक सहयोग को और सुदृढ़ करने पर बल दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. वी. शुनमुगसुंदरम ने अपने बीज व्याख्यान में कहा कि GST 2.0 का मूल उद्देश्य अनुपालन लागत को कम करना, डिजिटल प्रक्रियाओं को मजबूत बनाना तथा करदाताओं के लिए अधिक सरल और पारदर्शी व्यवस्था विकसित करना है। उन्होंने वैश्विक कर सुधारों के संदर्भ में भारत की जीएसटी व्यवस्था की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के वाणिज्य संकायाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि कर नीति का मूल्यांकन केवल राजस्व संग्रह के आधार पर नहीं, बल्कि उसके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों के आधार पर भी किया जाना चाहिए।

प्रथम तकनीकी सत्र का शुभारंभ प्रमुख गणमान्य वक्तागण के अभिवादन से हुआ। प्राचार्य महोदया ने सभी मंचासीन विद्वतजन

को फुलकारी शॉल, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. लाल बाबू जायसवाल ने "GST 2.0: Consumer Price Sensitivity and Challenges" विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि कर दरों में परिवर्तन का सीधा प्रभाव उपभोक्ताओं के व्यवहार, मांग एवं बाजार मूल्य पर पड़ता है। उन्होंने समाज में सी.ए. के अमूल्य योगदान का सारगर्भित उल्लेख किया। उन्होंने सुझाव दिया कि कर नीति निर्धारण में उपभोक्ता हितों तथा बाजार संतुलन दोनों को समान महत्व दिया जाना चाहिए।

द्वितीय विशेषज्ञ वक्ता डॉ. नितेश राज ने "Economic Impact Due to Tax Rate" विषय पर कहा कि कर दरों का प्रभाव उत्पादन, निवेश, रोजगार एवं आर्थिक विकास की गति पर पड़ता है। उन्होंने संतुलित एवं तर्कसंगत कर संरचना को सतत आर्थिक विकास के लिए आवश्यक बताया।

दोपहर के बाद आयोजित तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता बीबीएमकेयू, धनबाद के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकायाध्यक्ष डॉ. नकुल प्रसाद ने की। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों का अंतिम उद्देश्य व्यापार को सरल बनाना तथा करदाताओं और प्रशासन के बीच विश्वास को मजबूत करना है। उन्होंने ऐसे व्यापक अवधारणा को सरलता से शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों तक पहुँचाने के प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस तकनीकी सत्र में सीए मुस्कान कालोटिया ने GST Registration एवं Simplification विषय पर अत्यंत व्यवहारिक प्रस्तुति देते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग तथा प्रक्रियाओं के सरलीकरण से छोटे एवं मध्यम उद्यमों के लिए अनुपालन का बोझ काफी कम किया जा सकता है। उन्होंने जीएसटी पोर्टल के व्यावहारिक पहलुओं एवं नवीन प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी।

सीएमए संजीबन घोष ने GST Returns and Litigation Procedures विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि समयबद्ध एवं त्रुटिरहित रिटर्न दाखिल करना कर विवादों को न्यूनतम करने का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने दस्तावेजी अनुपालन, रिकॉर्ड प्रबंधन तथा नवीन कानूनी प्रावधानों पर विशेष बल दिया।

अंतिम तकनीकी सत्र में डॉ. राजेश कुमार राणा ने "Impact of Taxation on Output, Employment and Price" विषय पर कहा कि कर नीति का प्रभाव केवल राजस्व तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उत्पादन, रोजगार, निवेश और मूल्य स्तर पर भी व्यापक रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि संतुलित कर सुधार ही समावेशी आर्थिक विकास का आधार बन सकते हैं।

प्रत्येक तकनीकी सत्र के बाद प्रश्नोत्तर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से जीएसटी 2.0 के व्यावहारिक पहलुओं, अनुपालन संबंधी चुनौतियों तथा नवीन संशोधनों पर विस्तृत चर्चा की।

समापन सत्र के गणमान्य मुख्य अतिथि श्री मुरली कृष्ण रमैया (डायरेक्टर, बीसीसीएल) एवं विशिष्ट अतिथि कुल सचिव डॉ. राधानाथ त्रिपाठी बि.बि.म.को. विवि. को शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आर. एस. चहल सर ने फुलकारी शॉल, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि श्री मुरली कृष्ण रमैया (डायरेक्टर, बीसीसीएल) ने कहा कि उद्योग और शिक्षा संस्थानों के बीच निरंतर संवाद से ही सक्षम मानव संसाधन तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने जीएसटी सुधारों को भारत की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार बताया। साथ ही जीवन को उन्नत बनाने के बीज मंत्रों विद्यार्थियों से साझा किया।

विशिष्ट अतिथि कुल सचिव डॉ. राधानाथ त्रिपाठी बि.बि.म.को. विवि. ने विद्यार्थियों से ऐसे अकादमिक आयोजनों में नियमित सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि ज्ञान और व्यवहारिक कौशल का समन्वय ही भविष्य की सफलता की कुंजी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आर. एस. चहल ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि गुरु नानक कॉलेज सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं समाजोपयोगी ज्ञान के प्रसार के लिए प्रतिबद्ध रहा है तथा भविष्य में भी राष्ट्रीय महत्व के ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन संयोजिका स्नेहल गोस्वामी ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वर्षा सिंह एवं डॉ. सोनू प्र. यादव ने किया।

Picture Gallery

GST 2.0 : REFORMS, COMPLIANCE
AND EASE OF DOING BUSINESS IN JHARKHAND
Date: 17th July 2026
SPONSORED BY
Jharkhand State Higher Education Council
ORGANISED BY
Department of Commerce
GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
OUR PARTNERS
VENUE: SJS GREWAL AUDITORIUM, BHUDA CAMPUS
GST 2.0

NATIONAL WORKSHOP
on
GST 2.0 : REFORMS, COMPLIANCE
AND EASE OF DOING BUSINESS IN JHARKHAND
Date: 17th July 2026
SPONSORED BY
Jharkhand State Higher Education Council
ORGANISED BY
Department of Commerce
GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
OUR PARTNERS
VENUE: SJS GREWAL AUDITORIUM, BHUDA CAMP
GST 2.0

NATIONAL WORKSHOP
on
GST 2.0 : REFORMS, COMPLIANCE
AND EASE OF DOING BUSINESS IN JHARKHAND
Date: 17th July 2026
GST
Dr. Ranjana Das

NATIONAL WORKSHOP
on
July 2026
GST
2.0
Dr. Ranjana Das

GST 2.0
Date: 17th July 2026
SPONSORED BY
Jharkhand State Higher Education Council
ORGANISED BY
Department of Commerce
GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
VENUE: SJS GREWAL AUDITORIUM, BHUDA CAMPUS

NATIONAL WORKSHOP
on
GST 2.0 : REFORMS, COMPLIANCE
AND EASE OF DOING BUSINESS IN JHARKHAND
Date: 17th July 2026
SPONSORED BY
ORGANISED BY

NATIONAL WORKSHOP
on
GST 2.0 : REFORMS, COMPLIANCE
AND EASE OF DOING BUSINESS IN JHARKHAND
Date: 17th July 2026
SPONSORED BY
GST 2.0

NATIONAL WORKSHOP
on
GST 2.0 : REFORMS, COMPLIANCE
AND EASE OF DOING BUSINESS IN JHARKHAND
Date: 17th July 2026
SPONSORED BY
Jharkhand State Higher Education Council
ORGANISED BY
Department of Commerce
GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
GST 2.0
BCCL

NATIONAL WORKSHOP
on
GST 2.0 : REFORMS, COMPLIANCE
EASE OF DOING BUSINESS IN JHARKHAND
Date: 17th July 2026
SPONSORED BY
Jharkhand State Higher Education Council
ORGANISED BY
Department of Commerce
GURU NANAK COLLEGE,
OUR PARTNERS
VENUE: SJS GREWAL AUDITORIUM,
Prof. Snehal Goswami

Shri Mathura Prasad Mahato
Prof. (Dr.) Ram Kumar Singh
Sardar R S Chahal

NATIONAL WORKSHOP
on
GST 2.0 : REFORMS, COMPLIANCE
AND EASE OF DOING BUSINESS IN JHARKHAND
Department of Commerce
GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
GST
2.0

RUNANAK COLLEGE, DHANBAD

Press Release

करदाताओं के लिए सरल व पारदर्शी व्यवस्था विकसित हो

धनबाद, मुख्य संवाददाता। गुरुनानक कॉलेज धनबाद में शुक्रवार को जीएसटी 2.0 सुधारों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। जीएसटी 2.0 के प्रस्तावित सुधारों, कर अनुपालन, पंजीकरण प्रक्रिया के सरलीकरण, कराधान के आर्थिक प्रभाव तथा व्यापार सुगमता से जुड़े समकालीन विषयों पर विशेषज्ञों ने मंथन किया। मुख्य अतिथि टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि जीएसटी ने देश में कर प्रणाली को एकीकृत किया गया है। अब जीएसटी 2.0 से अनुपालन को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं व्यवसाय-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। विशिष्ट अतिथि धनबाद विधायक राज सिन्हा ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर कहा कि कर व्यवस्था में सरलता और

■ गुरुनानक कॉलेज धनबाद में जीएसटी 2.0 सुधारों पर राष्ट्रीय कार्यशाला, समकालीन विषयों पर विशेषज्ञों ने किया मंथन

गुरुनानक कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला में शामिल मुख्य अतिथि व अन्य।

पारदर्शिता निवेश को प्रोत्साहित करती है। उद्यमिता को नई गति प्रदान करती है। उन्होंने झारखंड के विशेष परिदृश्य में कृषि, पर्यटन, इस्पात आदि क्षेत्रों में अनंत संभावनाओं पर प्रकाश डाला। बीबीएमकेयू कुलपति प्रो. राम कुमार सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को वर्तमान आर्थिक एवं विधिक परिवर्तनों के प्रति जागरूक बनाना भी है। उन्होंने जीएसटी जैसे समकालीन विषयों पर उद्योग-अकादमिक सहयोग को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। मुख्य वक्ता प्रो. वी. शुनमुगसुंदरम ने कहा कि जीएसटी 2.0 का मूल उद्देश्य अनुपालन लागत को कम करना, डिजिटल प्रक्रियाओं को मजबूत बनाना तथा करदाताओं के लिए अधिक सरल और पारदर्शी व्यवस्था विकसित करना है। उन्होंने वैश्विक कर सुधारों के संदर्भ में भारत की जीएसटी व्यवस्था की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सबद गायन से हुआ। प्राचार्य डॉ रंजना दास ने कहा कि नई शिक्षा नीति और बदलते आर्थिक परिवेश में जीएसटी केवल एक कर व्यवस्था नहीं, बल्कि पारदर्शी एवं उत्तरदायी आर्थिक प्रशासन का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। कॉलेज शासी निकाय अध्यक्ष आरएस चहल, डॉ लालबाबू जायसवाल, डॉ नितेश राज, डॉ नकुल प्रसाद, सीए मुस्कान कालोटिया, सीएमए संजीबन घोष, डॉ राजेश राणा समेत अन्य ने संबोधित किया।

जीएसटी भारत की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार : रमैया

समापन सत्र में मुख्य अतिथि मुरली कृष्ण रमैया (डायरेक्टर, बीसीसीएल) ने कहा कि उद्योग और शिक्षा संस्थानों के बीच निरंतर संवाद से ही सक्षम मानव संसाधन तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने जीएसटी सुधारों को भारत की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार बताया। साथ ही जीवन को उन्नत बनाने के बीज मंत्रों विद्यार्थियों से साझा किया। विशिष्ट अतिथि बीबीएमकेयू के कुलसचिव डॉ राधानाथ त्रिपाठी ने विद्यार्थियों से ऐसे अकादमिक आयोजनों में नियमित सहभागिता का आह्वान किया। धन्यवाद ज्ञापन संयोजिका स्नेहल गोस्वामी ने किया।

दैनिक भास्कर धनबाद 18-07-2026

उद्योग-अकादमिक सहयोग मजबूत करना आज की जरूरत : कुलपति

जीएन कॉलेज में जीएसटी 2.0 सुधार व अनुपालन पर राष्ट्रीय कार्यशाला

गुरु नानक कॉलेज में राष्ट्रीय कार्यशाला में मौजूद अतिथि।

धनबाद | गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के भूदा परिसर स्थित एसजेएस ग्रेवाल सभागार में जीएसटी 2.0 सुधार, अनुपालन और व्यापार सुगमता पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। इसमें शिक्षाविद, चार्टर्ड व कॉस्ट अकाउंटेंट, शोधार्थी, विद्यार्थी और उद्योग प्रतिनिधि शामिल हुए। प्राचार्या रंजना दास ने कहा कि जीएसटी पारदर्शी आर्थिक प्रशासन का आधार बन रहा है और ऐसे आयोजन उद्योग व अकादमिक जगत के बीच संवाद बढ़ाते हैं। मुख्य अतिथि विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि जीएसटी 2.0 से अनुपालन अधिक सरल और व्यवसाय-अनुकूल होगा। डिजिटल कर प्रशासन समय की जरूरत है। बीबीएमकेयू कुलपति राम कुमार सिंह ने उद्योग-अकादमिक सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया। मुख्य वक्ता वी. शुनमुगसुंदरम ने लागत घटाने और डिजिटल प्रक्रियाएं मजबूत करने पर जोर दिया। जबकि सत्राध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल ने सामाजिक-आर्थिक प्रभाव के आधार पर कर नीति मूल्यांकन की बात कही। सीए मुस्कान कालोटिया ने पंजीकरण सरलीकरण से एमएसएमई को राहत बताई, जबकि सीएमए संजीबन घोष ने समयबद्ध रिटर्न को विवाद घटाने का उपाय कहा। अंत में शासी निकाय अध्यक्ष आरएस चहल ने भविष्य में ऐसे आयोजनों की निरंतरता का भरोसा दिलाया। विशिष्ट अतिथि विधायक राज सिन्हा ने ऑनलाइन माध्यम जुड़कर आयोजन को काफी महत्वपूर्ण बताया।

जीएसटी 2 .0 का उद्देश्य सरल व पारदर्शी व्यवस्था

जागरण संवाददाता, धनबाद : गुरु नानक कालेज भूदा परिसर में शुक्रवार को जीएसटी 2.0 रिफाम्र्स एवं ईज आफ डूइंग बिजनेस विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षाविद, चार्टर्ड एवं कास्ट अकाउंटेंट्स, शोधार्थी, विद्यार्थियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन, पुष्प स्वागत और शबद गायन से हुई। सरदार राजिंदर सिंह चहल ने विधायक मथुरा प्रसाद, बीबीएमकेयू के कुलपति प्रो. डा. रामकुमार सिंह और वीएस सुंदरम को फुलकारी शाल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अतिथियों ने स्मारिका का विमोचन भी किया।

- गुरु नानक कालेज में जीएसटी 2.0 सुधारों पर राष्ट्रीय कार्यशाला
- कर सुधार, अनुपालन व ईज आफ डूइंग बिजनेस पर दिए गए सुझाव

कार्यशाला में अतिथियों का स्वागत करते पदाधिकारी • **सौजन्य : जीएन कालेज**

मुख्य अतिथि मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि जीएसटी ने देश में कर प्रणाली को एकीकृत किया है और जीएसटी 2.0 के माध्यम से अनुपालन को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं व्यवसाय-अनुकूल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक राज सिन्हा आनलाइन जुड़े। कुलपति प्रो. राम कुमार सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को वर्तमान आर्थिक एवं विधिक परिवर्तनों के प्रति जागरूक बनाना भी है।

मुख्य वक्ता प्रो. डा. वी. शुनमुगसुंदरम ने कहा कि जीएसटी 2.0 का मूल उद्देश्य अनुपालन लागत को कम करना और करदाताओं के लिए अधिक सरल और पारदर्शी व्यवस्था विकसित करना है। तकनीकी सत्र में डा. सुनील कुमार अग्रवाल, डा. लाल बाबू जायसवाल, डा. नितेश राज, डा. नकुल प्रसाद, सीएमए संजीबन घोष, डा. राजेश कुमार राणा, मुरली कृष्ण रमैया, डा. राधानाथ त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने कहा कि गुरु नानक कालेज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समाजोपयोगी ज्ञान के प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। धन्यवाद ज्ञापन संयोजिका स्नेहल गोस्वामी और संचालन डा. वर्षा सिंह एवं डा. सोनू यादव ने किया।

...विकास, आत्मविश्वास, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है. उन्होंने विजेता सदनों को शुभकामनाएं देते हुए सभी विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ विद्यालय की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के सफल संचालन में संगीत विभाग और सभी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

जीएसटी 2.0 से कर व्यवस्था होगी अधिक सरल व पारदर्शी

धनबाद. झारखंड राज्य उच्च शिक्षा परिषद (जेएसएचईसी) के प्रायोजन में गुरुनानक कॉलेज, धनबाद के एसजेएस ग्रेवाल सभागार में 'जीएसटी 2.0 रिफॉर्म्स, कंप्लायंस एंड इज ऑफ डुइंग बिजनेस' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि जीएसटी 2.0 के माध्यम से कर व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और व्यवसाय-अनुकूल बनाने की दिशा में काम हो रहा है. बीबीएमकेयू के कुलपति प्रो (डॉ) राम कुमार सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी विद्यार्थियों को बदलते आर्थिक और विधिक परिवेश के प्रति जागरूक बनाना भी है. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो डॉ वी शुनमुगसुंदरम ने जीएसटी 2.0 के विभिन्न पहलुओं और वैश्विक कर सुधारों के संदर्भ में इसकी उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला. समापन सत्र में बीसीसीएल के निदेशक मुरली कृष्ण रमैया ने उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने की, जबकि धन्यवाद ज्ञापन संयोजिका स्नेहल गोस्वामी ने किया. शिक्षाविदों, चार्टर्ड एवं कॉस्ट अकाउंटेंट्स, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया.

प्रभात खबर
Saturday, July 18, 2026
Dhanbad-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/6a5a9ff81f4ab18b69035fe5